Capacity Development and Livelihood Enhancement Meeting with KVK Katiya, Sitapur and Stakeholders under Mission Navshakti

An interactive meeting was held under Mission Navshakti at KVK Katia, Sitapur, involving various stakeholders such as rural SHG women, fishermen, fish farmers, and the Ozone Farmer Producer Organisation of Sitapur. This event was part of the SCSP project under Mission Navshakti.

The team from ICAR-NBFGR, including Dr. Poonam Jayant Singh, Dr. Lalit Kumar Tyagi, and Dr. Ajey Kumar Pathak, engaged with women from the SHG Aquaworld and Hitech Fisheries & Knowledge Center. Dr U K Sarkar, Director ICAR NBFGR spearheaded the programme. Dr Suresh Sharma and Sh Sadam shared his experience as an entrepreneur and assured coordination for market linkage. Sh Indramani Raja from Aquaworld inspired women to learn skill of fabricating aquarium and rearing fish with low input cost by using waste material also contributing towards circular economy The discussions focused on collaboration in the fisheries sector and cooperative efforts with SHGs to develop clusters of ornamental fish villages, using KVK as a central hub.

Dr. Daya Shankar Srivastava, Head of KVK Katiya, Sitapur, along with Dr. Anand Singh, Dr. Shailendra Kumar Singh, Dr. Shishir Kant Singh, and Dr. Reema, highlighted the significant potential for fisheries enterprises in Sitapur. Despite the availability of various water resources, these remain underutilized due to a lack of technological interventions and support.

Women from several SHGs, including Jyoti SHG, Budhpurnima SHG, Laxmi SHG, Shivani SHG, Rakhi SHG, Anamika SHG, Mohini SHG, Durga SHG, and Palak SHG, actively participated in the program. Ms. Sunita Verma, known as Namo Drone Didi from Jyoti SHG, shared her experiences on the benefits of using drones in agriculture. She expressed her ambition to establish natural fisheries and marketing initiatives. As a coordinator and inspirational figure, she encouraged other women to seize opportunities for income generation. Ozone FPO shared entrepreneurial activities of their venture in different verticals of agriculture with 1128 farmers, and showed interest to start aquaculture enterprises. The purpose of the program was to bridge the gap between women SHGs, scientists, farmers, KVK, and entrepreneurs, fostering stronger connections and collaboration.

क्षमता विकास और आजीविका संवर्धन बैठक, केवीके कटिया, सीतापुर और मिशन नवशक्ति के तहत हितधारकों के साथ

मिशन नवशक्ति के तहत केवीके कटिया, सीतापुर में एक इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीण एसएचजी महिलाएं, मछुआरे, मछली किसान और सीतापुर के ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन जैसे विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम मिशन नवशक्ति के तहत एससीएसपी परियोजना का हिस्सा था।

आईसीएआर-एनबीएफजीआर की टीम, जिसमें डॉ. पूनम जयंत सिंह, डॉ. ललित कुमार त्यागी, और डॉ. अजय कुमार पाठक शामिल थे, ने एसएचजी एक्वावर्ल्ड और हाइटेक फिशरीज एंड नॉलेज सेंटर की महिलाओं के साथ बातचीत की। आईसीएआर एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. यू.के. सरकार ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। डॉ. सुरेश शर्मा और श्री सादाम ने एक उद्यमी के रूप में अपने अनुभव साझा किए और बाजार संपर्क के लिए समन्वय का आश्वासन दिया। एक्वावर्ल्ड के श्री इंद्रमणि राजा ने महिलाओं को कम लागत में कचरे की सामग्री का उपयोग करके एक्वेरियम बनाने और मछली पालन की कला सीखने के लिए प्रेरित किया, जो परिपत्र अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है। चर्चाएं मछली पालन क्षेत्र में सहयोग और एसएचजी के साथ मिलकर सजावटी मछली गांवों के समूह बनाने पर केंद्रित थीं, जिसमें केवीके को एक केंद्रीय केंद्र के रूप में उपयोग किया गया।

केवीके कटिया, सीतापुर के प्रमुख डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, डॉ. शिशिर कांत सिंह और डॉ. रीमा ने सीतापुर में मछली पालन उद्यमों की महत्वपूर्ण संभावनाओं पर प्रकाश डाला। विभिन्न प्रकार के जल संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद, ये तकनीकी हस्तक्षेप और समर्थन की कमी के कारण अपर्याप्त रूप से उपयोग किए जा रहे हैं।

ज्योति एसएचजी, बुद्धपूर्णिमा एसएचजी, लक्ष्मी एसएचजी, शिवानी एसएचजी, राखी एसएचजी, अनामिका एसएचजी, मोहिनी एसएचजी, दुर्गा एसएचजी, और पलक एसएचजी सहित कई एसएचजी की महिलाएं सक्रिय रूप से कार्यक्रम में शामिल हुईं। ज्योति एसएचजी की नमो ड्रोन दीदी के नाम से मशहूर सुनीता वर्मा ने कृषि में ड्रोन के उपयोग के लाभों पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने प्राकृतिक मछली पालन और विपणन पहलों की स्थापना की महत्वाकांक्षा व्यक्त की। एक समन्वयक और प्रेरणादायक व्यक्तित्व के रूप में, उन्होंने अन्य महिलाओं को आय सृजन के अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। ओजोन एफपीओ ने कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में 1128 किसानों के साथ अपने उद्यमशीलता गतिविधियों को साझा किया और मत्स्य पालन उद्यम शुरू करने में रुचि दिखाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला एसएचजी, वैज्ञानिकों, किसानों, केवीके और उद्यमियों के बीच की खाई को पाटना और मजबूत संबंधों और सहयोग को बढ़ावा देना था।

भा.कृ.अनुप-कृषि विज्ञान केन्द्र-II,कटिया, सीतापुर (उ.प्र.)

कृषि विज्ञान केन्द्र-II

भा.कृ.अनुप-कृषि विज्ञान केन्द्र-II,कटिया, सीतापुर (उ.प्र.)

भा.कृ.अनुप-कृषि विज्ञान केन्द्र-II,कटिया, सीतापुर (उ.प्र.)

कृषि विज्ञान केन्द्र-II

कृषि विज्ञान केन्द्र-II
कटिया सीतापुर